मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 07, मुंबई, गुरुवार, 27 जनवरी, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

महाराष्ट्र में गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर

एक दिन पहले ही मिला है पद्म भूषण सम्मान

संवाददाता / मुंबई। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई समेत कंपनी के पांच अन्य अधिकारियों के खिलाफ कॉपीराइट अधिनियम की धारा में एफआईआर दर्ज की गई है। महाराष्ट्र की एक अदालत के निर्देश पर यह एफआईआर दर्ज हुई है। फिल्म निर्देशक सुनील दर्शन ने अपनी शिकायत में कहा कि गूगल ने अनधिकृत व्यक्तियों को उनकी फिल्म 'एक हसीना थी एक दीवाना था' को यू-ट्यूब पर अपलोड करने की अनुमति दी थी।

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

बांद्रा में पांच मंजिला इमारत ढही

संवाददाता

मुंबई। मुंबई के बांद्रा इलाके में बुधवार को एक बहुमंजिला इमारत गिरने के कारण उसके मलबे में फंसी तीन महिलाओं सहित छह लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। स्थानीय निकाय के एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई के पश्चिमी इलाके बेहराम नगर में अपराह्न तीन बजकर करीब 50 मिनट पर चार मंजिला इमारत गिर गयी।

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

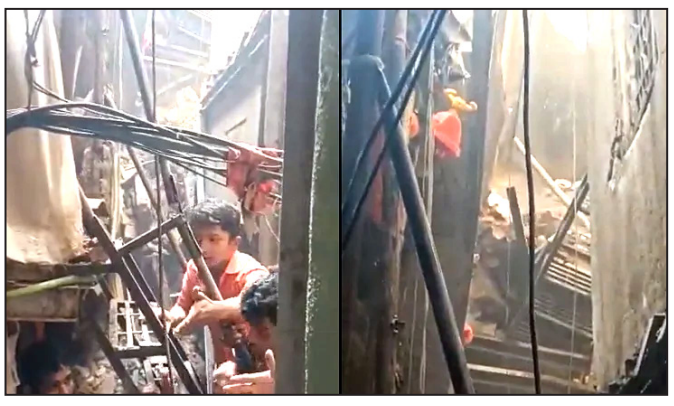

छह लोगों को सुरक्षित निकाला गया

मंगलवार को भी मलाड के मालवणी इलाके में एक तीन मंजिला इमारत गिरने का मामला सामने आया था। हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं थी

स्कूलों के बाद महाराष्ट्र में...

1 फरवरी से खुलेंगे कॉलेज और यूनिवर्सिटी

राज्य सरकार की मंजूरी

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में कोरोना के मामले कम होने के साथ-साथ कुछ दिन पहले स्कूलों को खोल दिया गया था। अब राज्य सरकार ने एक फरवरी से कॉलेजों और यूनिवर्सिटीज को भी खोलने का फैसला किया है। उच्च और तकनीकी शिक्षा विभाग के इस प्रस्ताव को राज्य सरकार ने अपनी मंजूरी दे दी है। हालांकि सरकार ने स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप कॉलेजों और यूनिवर्सिटियों को खोलने या न खोलने का अधिकार कॉलेज और यूनिवर्सिटी प्रशासन के अलावा स्थानीय जिला प्रशासन को दिया है।

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

नौकरी की आग

रेलवे ट्रैक पर ही पीएम नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री का फूंका पुतला

बिहार-यूपी में रेलवे परीक्षार्थी हिंसकः

परीक्षाओं पर रोक के बावजूद गया में फिर फूंकी गई बोगियां, रेल मंत्री बोले- रेलवे आपकी संपत्ति, इसे सुरक्षित रखें

पटना। RRB-NTPC के रिजल्ट में धांधली के विरोध में यूपी-बिहार में छात्रों का प्रदर्शन बुधवार को भी जारी है। गया जंक्शन पर पुलिस के निकलने के बाद उपद्रवी फिर से आए और ट्रेन की तीन बोगियों में आग लगा दी। **(समाचार पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

हर पल जान पर खतरा

भारत में वेबसाइट के जरिए घर तक राशन पहुंचाने वाली स्टार्टअप कंपनियों के बीच सामान की सबसे तेज डिलिवरी की होड़ लगी हुई है। कई ग्रॉसरी स्टार्टअप 10 मिनट में घर पर डिलीवरी का वादा कर रहे हैं। इस समयसीमा का पालन करने की जिम्मेदारी बाइक से डिलीवरी करने वालों पर होती है। भारत में गिग वर्कर्स किस तरह अपनी जान खतरे में डाल कर रोजी-रोटी कमाते हैं, उस पर कहीं चर्चा नहीं होती। सामाजिक सुरक्षा तो दूर, इन कर्मियों से कंपनियां किस हाल में काम ले रही हैं, वह भी हमारी आम चर्चा से बाहर है। चूंकि रोजगार के अवसर लगातार घटते गए हैं, तो ऐसे कर्मियों के सामने कोई विकल्प भी नहीं होता। इसलिए वे रोज अपनी जान के लिए खतर मोल लेते हैं। ध्यान दीजिए। भारत में वेबसाइट के जरिए घर तक राशन पहुंचाने वाली स्टार्टअप कंपनियों के बीच सामान की सबसे तेज डिलिवरी की होड़ लगी हुई है। कई ग्रॉसरी स्टार्टअप 10 मिनट में घर पर डिलीवरी का वादा कर रहे हैं। इस समयसीमा का पालन करने की जिम्मेदारी बाइक से डिलीवरी करने वालों पर होती है। समयसीमा के पालन में वे रोज ही अपनी जान जोखिम में डालते हैं। भारत में किराना बाजार 600 अरब डॉलर का है। र उसका हिस्सा पाने के लिए तेज मुकाबला चल रहा है। अमेजॉन, वॉलमार्ट के फ्लिपकार्ट और रिलायंस के बीच इस बाजार पर कब्जे की होड़ लगी हुई है। अब कई और स्टार्टअप कंपनियां भी किराना बाजार में कदम रख रही हैं। जैसे कि ब्लिंकिट और जेप्टो ने नई दुकानें खोलनी शुरू की हैं। ये दोनों कंपनियां दस मिनट में डिलीवरी का वादा कर रही हैं। इन कंपनियों का लक्ष्य है कि अपने कथित डार्क स्टोर से या छोटे-छोटे वेयरहाउस में राशन को कुछ ही मिनटों में पैक करके बाइक सवारों के जरिए ग्राहकों के घरों तक पहुंचा दिया जाए। बाइक सवार को डिलीवर करने के लिए करीब सात मिनट का समय मिलता है। स्पष्टतः ये स्टार्टअप डिलिवरी ब्वयॉज को खतरे डाल रहे हैं। भारत में तेज खरीददारी का बाजार पिछले साल लगभग 22 अरब रुपये का हो गया। 2025 तक इसके 10 से 15 गुना तक बढ़ने की संभावना है। यूरोप और अमेरिका में तेज डिलीवरी का यह प्रयोग सफल हो चुका है। तो अब भारत में उसे अपनाया जा रहा है। लेकिन इस सिलसिले में ये गौरतलब है कि यूरोप और अमेरिका में लोगों के लिए सामाजिक सुरक्षा के इंतजाम हैं। भारत में हर कोई भगवान भरोसे है। इसके बीच चलन यह चल गया है कि अगर कोई ग्राहक देर की शिकायत कर दे, तो 300 रुपये तक का जुर्माना लग जाता है।

संघवाद की धारणा पर बड़ा खतरा

केंद्र-राज्य संबंधों को बेहतर, जीवंत और सद्भाव वाला बनाए रखने के लिए कई उपाय किए गए हैं। योजना आयोग इसमें बड़ी भूमिका निभाता था। लेकिन अब योजना आयोग की जगह नीति आयोग बना दिया गया। यह अब पूरी तरह से केंद्र सरकार का एक अंग है और वहां राज्यों की सुनवाई नहीं है।

भारत के लोकतांत्रिक गणतंत्र की ढेर सारी खूबियों में एक बड़ी खूबी संघवाद की अवधारणा है। हालांकि भारत एक क्वासी फेडरल यानी अर्ध संघीय राज्य है, जिसमें शक्ति का संतुलन केंद्र की ओर झुका हुआ है। इसके बावजूद अर्ध संघ की यह व्यवस्था बहुत कायदे से काम करती रही है। और जब कभी इसमें तनाव पैदा होता है तो उसे दूर करने के लिए बनी मशीनरी के जरिए कोई न कोई रास्ता निकालता रहा है। सरकारिया आयोग की सिफारिशें इस मामले में रास्ता दिखाने वाली हैं। लेकिन अफसोस की बात है कि आज जब देश आजादी का अमृत महोत्सव यानी 75वीं सालगिरह मना रहा है और गणतंत्र के भी 72 साल हो गए हैं तो संघवाद की अवधारणा किसी भी और समय के मुकाबले सबसे ज्यादा खतरे में है। यह दुर्भाग्य इसलिए है क्योंकि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसे नेता हैं, जिन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में केंद्र-राज्य संबंध के संतुलन पर सर्वाधिक आदर्शवादी बातें कही हैं। वे अपने को इस सिद्धांत के प्रति समर्पित बताते रहे हैं और उन्होंने एक कदम आगे बढ़ कर सहकारी संघवाद का सिद्धांत प्रतिपादित किया।

ध्यान रहे भारत में शक्ति का संतुलन केंद्र की ओर झुका हुआ है इसके बावजूद राज्य काफी हद तक स्वायत्त हैं और इस वजह से मजबूती के साथ केंद्र से जुड़े हुए हैं। इस संतुलन को बनाए रखना देश की एकता और अखंडता के लिए बेहद जरूरी है। भारत कोई अमेरिका की तरह राज्यों का समुच्चय नहीं है। वहां एक नस्ल, एक रंग, एक भाषा, एक संस्कृति के लोग हैं। इसलिए शासन व्यवस्था के अलावा उनको जोड़े रखने वाली बहुत सी चीजें हैं। उसके मुकाबले भारत में राज्यों का संघ कुछ हद तक पूर्व सोवियत संघ की तरह अनेक विविधताओं वाला है। यहां भाषा के आधार पर राज्यों का पुनर्गठन हुआ था और राज्य अपनी इस पहचान को बड़ी तीव्रता के साथ महसूस करते हैं और बचाए रखना चाहते हैं। यह सिर्फ कहने की बात है कि सबके पूर्वज एक थे और सबका डीएनए एक है, असल में भारत नस्ल, रंग, संस्कृति, भाषा सहित कई तरह की विविधता लिए हुए है। इसलिए शासन में शक्ति का संतुलन बनाए रखना भारत को एकजुट या अखंड बनाए रखने की सबसे पहली जरूरत है। लेकिन अफसोस की बात है अलग अलग कारणों से और अलग अलग पैमानों पर पिछले कुछ दिनों से शक्ति संतुलन के पवित्र सिद्धांत की अनदेखी की जा रही है। दक्षिण भारत के अपेक्षाकृत विकसित और आर्थिक रूप से संपन्न राज्यों ने 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों पर कैसी प्रतिक्रिया दी थी, उसे भूलना नहीं चाहिए। इन राज्यों के वित्त मंत्रियों ने अलग बैठक की थी और इस बात का विरोध किया था कि ज्यादा जनसंख्या वाले राज्यों या ज्यादा गरीबी वाले राज्यों को केंद्रीय राजस्व में ज्यादा हिस्सा दिया जाएगा। उनका कहना था कि उन्होंने अपने यहां आबादी नियंत्रित की या विकास किया तो उन्हें इसकी सजा नहीं दी जानी चाहिए। यह टकराव का एक बिंदु है। ऐसे अनेक मुद्दे आ गए हैं, जिनसे राज्यों में अलगाव का भाव पैदा हो रहा है।

यह जो हर बार एक देश, एक कानून का नारा दिया जा रहा है, वह इस मामले में जहर का काम कर रहा है। एक देश, एक टैक्स के नारे पर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने वस्तु व सेवा कर यानी जीएसटी कानून लागू कर दिया। इस कानून में अनगिनत कमियां हैं, जिनमें से कुछ को दूर किया गया है। जीएसटी के जरिए केंद्र ने कर वसूलने का राज्यों का अधिकार काफी हद तक कम कर दिया। सभी राज्यों के बदले केंद्र ही कर वसूल रहा है। कानून बनाते समय यह तय हुआ था कि अगर जीएसटी की वसूली कम होती है तो केंद्र सरकार पांच साल तक उसकी भरपाई करेगी। केंद्र ने वह भी बिना शर्त नहीं किया। उसके लिए भी जीएसटी के बदले कर्ज लेकर भरपाई करने का सिस्टम बनाया गया, जिसका राज्यों ने बड़ा विरोध किया था। इन पांच बरसों में दो साल कोरोना में निकल गए। सो, अब राज्य चाहते हैं कि कम से कम दो साल और सरकार कर की कमी की भरपाई करे। अगर सरकार इस प्रस्ताव के बारे में सहानुभूति के साथ विचार नहीं करती है तो राज्यों से टकराव बढ़ेगा। यह टकराव इसलिए भी बढ़ेगा क्योंकि केंद्र सरकार ने उपकर और अधिभार बढ़ा-बढ़ा कर केंद्रीय करों में राज्यों की हिस्सेदारी नगण्य कर दी है। सो, राज्यों पर दोतरफा मार हो रही है।

इस बीच केंद्र सरकार ने राज्यों के अन्य अधिकारों में भी कटौती शुरू कर दी है। अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति का मामला भी ऐसा ही है। केंद्र ने इस कानून में बदलाव का मसौदा तैयार किया है, जिसके मुताबिक संबंधित अधिकारी और राज्य सरकार की मर्जी के बगैर केंद्र सरकार जिस अधिकारी को चाहे उसे केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर बुला सकता है। यह देश की संघीय अवधारणा पर गंभीर चोट है। इससे पहले केंद्र ने सीमा सुरक्षा बल यानी बीएसएफ के अधिकार का दायरा कई राज्यों में 50 किलोमीटर अंदर तक बढ़ा दिया। इस बारे में राज्यों से कोई विमर्श नहीं किया गया और राष्ट्रीय सुरक्षा का नैरेटिव बनाते हुए सरकार ने यह बड़ा कदम उठा लिया। यह पूरा नैरेटिव ऐसा था, जैसे राज्य सरकारों को राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई सरोकार नहीं है, बल्कि वे राष्ट्रीय सुरक्षा के विरोधी या उसके लिए खतरा हैं। केंद्र सरकार ने कई राज्यों के विरोध के बावजूद मेडिकल में दाखिले के लिए नीट की परीक्षा का अखिल भारतीय स्वरूप बनाया है। तमिलनाडु में इसकी वजह से बड़ी मुश्किल हो रही है। छात्र आत्महत्या कर रहे हैं और सभी पार्टियां इसे बदलना चाहती हैं पर केंद्र का नजरिया ऐसा है, जैसे उसका इससे कोई सरोकार नहीं हो। केंद्र सरकार ने राज्यों को भरोसे में लिए बगैर तीन कृषि कानून बनाए थे। इन कानूनों पर ऐसा विवाद हुआ कि देश भर के किसान आंदोलन पर उतरे। दिल्ली की सीमा पर पूरे साल आंदोलन चलता रहा और तब केंद्र ने कानून वापस लिए। सोचें, कृषि राज्य सूची का विषय है लेकिन इस पर कानून बनाने के लिए केंद्र ने विशुद्ध रूप से कृषि से जुड़े मसलों को कृषि कारोबार का मुद्दा बनाया और उस पर कानून बना दिया। चूंकि कृषि कारोबार का मुद्दा समवर्ती सूची में है इसलिए सरकार ने यह होशियारी की। जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 खत्म करने का फैसला ऐसे समय में हुआ, जब राज्य की विधानसभा भंग थी। ऐसे कामों की सूची और भी लंबी हो सकती है। सरकार को इस बारे में गंभीरता से सोचना चाहिए। केंद्र-राज्य संबंधों की संवेदनशीलता और नजाकत को समझना चाहिए और ऐसा कोई कदम नहीं उठाना चाहिए, जिससे राज्यों के अंदर अलगाव का भाव पैदा हो।

केंद्र-राज्य संबंधों को बेहतर, जीवंत और सद्भाव वाला बनाए रखने के लिए कई उपाय किए गए हैं। योजना आयोग इसमें बड़ी भूमिका निभाता था। लेकिन अब योजना आयोग की जगह नीति आयोग बना दिया गया। यह अब पूरी तरह से केंद्र सरकार का एक अंग है और वहां राज्यों की सुनवाई नहीं है। इसी तरह देश में एक राष्ट्रीय विकास परिषद, एनडीसी भी है, जिसकी पिछले सात साल में एक भी बैठक नहीं हुई है। एक अंतरराज्यीय परिषद भी है, जिसकी सात साल में सिर्फ एक बैठक हुई है। राष्ट्रीय विकास परिषद या अंतरराज्यीय परिषद की बैठकों में प्रधानमंत्री से लेकर राज्यों के मुख्यमंत्री एक साथ बैठते थे और केंद्र-राज्य संबंध को बेहतर बनाए रखने के उपायों पर चर्चा करते थे। अब ऐसी चर्चा भी बंद है। सो, एक तरफ राज्यों की शिकायतें और नाराजगी बढ़ रही है तो दूसरी ओर उस नाराजगी को दूर करने के लिए सेफ्टी वॉल्व की तरह जो व्यवस्था बनाई गई थी उसे भी बंद कर दिया गया है। समझ सकते हैं कि इससे कैसा खतरा पैदा हो सकता है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुंब्रा शहर में बड़े ही गर्व के साथ मनाया गया 73वां गणतंत्र दिवस

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। मुंब्रा शहर में बड़े ही गर्व के साथ कोरोना गाइडलाइंस के नियमों का पालन करते हुए मनाया गया 73 वा गणतंत्र दिवस इस मौके में मुंब्रा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दादाहरी चोरे के हाथों सबसे पहले सवेरे 7:00 ध्वजारोहण समस्त पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में किया गया और देश का राष्ट्रगान करते हुए इस कार्यक्रम को संपन्न किया गया इस ध्वजारोहण कार्यक्रम में उपस्थित मुंब्रा पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दादाहरी चोरे गुनाह के एपीआई गीताराम शेवाळे पीएसआई कदम पीएसआई शीतल एनडीपीएस के पीएसआई हर्षद काळे पीएसआई राजेंद्र एपीआई उगल मुगले और तमाम पुलिसकर्मियों की उपस्थिति में यह कार्यक्रम को संपन्न किया गया उसके बाद सभी ने एक दूसरे को गणतंत्र दिवस की बधाई दी मुंब्रा पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दादाहरी चोरे ने पत्रकारों से बात करते हुए तमाम देशवासियों को और मुंब्रा वासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई दी उसके बाद कौसा पुलिस चौकी मैं गुनाह के एपीआई गिताराम शेवाळे

के हाथों ध्वजारोहण किया गया और समस्त पुलिस कर्मी की उपस्थिति में राष्ट्रगान के साथ यहां पर यह कार्यक्रम संपन्न किया उसके बाद तंवर नगर परिसर में थाने पुलिस सहायक आयुक्त वेंकट आंध्र के हाथों ध्वजारोहण किया गया उनके साथ एनसीपी के यूनुस शेख और तमाम इलाके के लोगों ने राष्ट्रगान के साथ यह कार्यक्रम को संपन्न किया फिर उसके बाद में एक दूसरे को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी पूरे मुंब्रा परिसर में हर एक इलाके में ध्वजारोहण का कार्यक्रम राष्ट्रगान के साथ सभी नेता द्वारा संपन्न किया गया सभी ने एक दूसरे को गणतंत्र दिवस की मुबारकबाद पेश की और पूरे मुंब्रा में खुशी का माहौल नजर आया सभी के चेहरे गणतंत्र दिवस की खुशी से खिल रहे थे और सभी लोग एक दूसरे को गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुए नजर आए।

मृतक जमील शेख के परिजनों ने पुलिस प्रशासन से इंसाफ नहीं मिलने पर सड़कों पर लगाए यूपी एसटीएफ के प्रेस नोट के बड़े बैनर

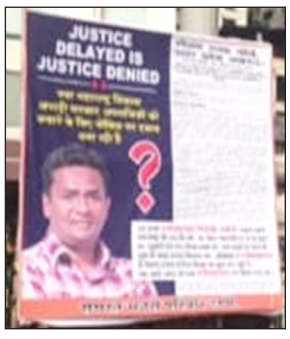

संवाददाता/समद खान

थाने। गत 24 जनवरी सोमवार को राबोडी परिसर के मनसे अध्यक्ष मृतक जमील शेख के परिजनों ने पुलिस प्रशासन से इंसाफ नहीं मिलने पर सड़कों पर बड़े यूपी एसटीएफ प्रेस नोट के बैनर केसर मिल की जगह जगह पर लगाए गए उस बैनर में यह बड़े अक्षरों में उल्लेख किया गया है यूपी एसटीएफ द्वारा जारी की गई प्रेस नोट में इरफान का बयान दर्ज किया गया है कि एनसीपी के नगरसेवक नजीबुल्लाह ने दो लाख रुपए की सुपारी लेकर मनसे अध्यक्ष जमील शेख की हत्या करवाई थी और उषा माने नजीबुल्लाह से कितने पैसों में दिल किया था यह मुझे पता नहीं इस तरह का बयान आरोपी इरफान द्वारा यूपी एसटीएफ पुलिस को दिया गया था और इस मामले में यूपी एसटीएफ पुलिस ने आरोपी इरफान को थाने पुलिस के हवाले कर दिया इस मामले में मृतक जमील शेख के परिजनों ने पुलिस प्रशासन पर यह आरोप लगाया है कि उन्हें इंसाफ नहीं दिया जा रहा है और इसी के चलते यह बैनर लगाए गए उसमें उल्लेख किया गया है इंसाफ में देरी का मतलब इंसाफ नहीं मिलना यह बड़े अक्षरों में लिखकर सड़कों पर बैनर लगाए गए जिसकी सूचना मिलते ही मनपा प्रशासन कि उत्तलसर प्रभाग समिति की टीम ने सड़कों पर लगे बैनर को उतारना शुरू कर दिया लेकिन मृतक जमील शेख के परिवार वालों का कहना है कि आखिर कब तक मनपा प्रशासन हमारे बैनर को निकालती रहेगी हम लोग रोज जाकर अपने हाथों में बैनर लेकर महिलाओं और बच्चों के साथ खड़े रहेंगे और यह लड़ाई तब तक जारी रहेगी जब तक मृतक जमील शेख के हत्यारों को सलाखों के पीछे नहीं पहुंचाएंगे।

ऑनलाइन पढ़ाई के लिए मोबाइल फोन नहीं होने पर किशोरी ने की आत्महत्या

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के नासिक में ऑनलाइन कक्षा के लिए मोबाइल फोन नहीं होने पर विज्ञान कॉलेज की 17 वर्षीय एक छात्रा ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। छात्रा के माता-पिता ने पुलिस को बताया कि ऑनलाइन कक्षा के लिए उसके पास एंड्रायड मोबाइल फोन नहीं था, जिसकी वजह से उसने आत्महत्या कर ली। पुलिस अधिकारी के मुताबिक भारती तुकाराम चौधरी नामक छात्रा ने सरगुना के हटरुंडी स्थित अपने

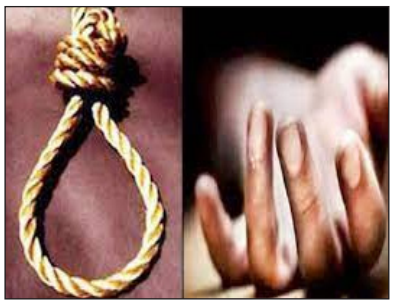

घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। हादसे के समय भारती के माता-पिता खेतों में काम करने के लिए गए हुए थे। पुलिस अधिकारी ने कहा, भारती अलंगुन स्थित पोस्ट बेसिक एडेड आश्रम स्कूल के कॉलेज में ग्यारहवीं कक्षा में पढ़ रही थी। उसके माता-पिता के बयानों के अनुसार, परिवार गरीब था और उसे ऑनलाइन पढ़ाई के लिए एक एंड्रॉइड फोन नहीं मिल पा रहा था। पढ़ने के लिए वह एक फोन उधार लेती थी, लेकिन इलाके में खराब नेटवर्क की वजह से काफी परेशान रहती थी। पुलिस ने दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

महाराष्ट्र में गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर

बता दें कि सुंदर पिचाई को एक दिन पहले ही पद्म भूषण पुरस्कार दिया गया था। कॉपीराइट मामले में फिल्म मेकर सुनील दर्शन कोर्ट पहुंचे थे। कोर्ट ने गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और पांच अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। एमआईडीसी पुलिस ने अंधेरी ईस्ट में एफआईआर दर्ज करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने कॉपीराइट एक्ट 1957 की धारा 51, 63 और 69 के तहत एफआईआर दर्ज की है। सुनील दर्शन बॉलीवुड के जाने-माने डायरेक्टर रह चुके हैं। 2017 में उनकी आखिरी फिल्म एक हसीना थी एक दीवाना था आई। दर्शन का आरोप है कि उनकी जानकारी के बिना इस फिल्म को यू-ट्यूब पर अपलोड कर दिया गया। खबर के मुताबिक सुनील दर्शन ने कहा, मैंने अपनी फिल्म को आज तक कहीं भी अपलोड नहीं किया है और न ही मैंने इसे किसी को बेचा है। लेकिन यू ट्यूब पर यह अपलोड है जिस पर करोड़ो व्यूज है। मैं गूगल से लगातार विनती करता रहा कि वह इसे अपने प्लेटफॉर्म से हटा लें। लेकिन उनकी तरफ से कोई रिस्पॉन्स नहीं मिला। कोई गलत तरीके से मेरी फिल्म को यूट्यूब पर अपलोड करके पैसा कमा रहा है। परेशान होकर अंत में मुझे कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा। कोर्ट ने अब एफआईआर का आदेश दिया है। मैं टेक्नोलॉजी को चैलेंज नहीं करना चाहता लेकिन यह टेक्नोलॉजी का गलत इस्तेमाल है।

बांद्रा में पांच मंजिला इमारत ढही

उन्होंने बताया कि दमकल विभाग और पुलिस कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। अधिकारी ने बताया कि तीन महिलाओं सहित कुल छह लोगों को मलबे से निकाला गया है, जिनमें से दो महिलाओं सहित चार लोगों को वी. एन. देसाई अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि एक महिला सहित अन्य दो लोगों को भाभा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि सभी घायलों की हालत स्थिर बतायी जा रही है। अधिकारी ने बताया कि आधा दर्जन एम्बुलेंस, पांच दमकल गाड़ियां और एक बचाव वैन मौके पर मौजूद थी।

स्कूलों के बाद महाराष्ट्र में 1 फरवरी से खुलेंगे कॉलेज और यूनिवर्सिटी

साथ ही यह भी कहा है कि जिन विद्यार्थियों को कोरोना वैक्सीन की दोनों डोज मिल गई हैं, उन्हीं को कॉलेज और यूनिवर्सिटी में प्रवेश दिया जाए। स्कूलों के बाद कॉलेज और यूनिवर्सिटी खोले जाने के सरकार के फैसले का शैक्षणिक जगत ने स्वागत किया है। सरकार ने इसके साथ ही यह साफ कर दिया गया है कि 15 फरवरी तक आयोजित होने वाली परीक्षाएं ऑनलाइन ही होंगी। इसके बाद की परीक्षाएं ऑफलाइन ली जा सकेंगी। बता दें कि महाराष्ट्र सरकार के शिक्षा विभाग ने आगामी 24 जनवरी से राज्य के सभी जिलों में स्कूल खोलने के आदेश जारी किए थे। दरअसल बच्चों के अभिभावकों की तरफ से यह मांग काफी समय से की जा रही थी कि स्कूलों को खोला जाए। लगातार स्कूल खोलने की बढ़ रही मांग के चलते शिक्षा विभाग में मुख्यमंत्री को इस संबंध में एक प्रस्ताव भी भेजा था। जिस पर गुरुवार को मुख्यमंत्री ने अपनी सहमति की मुहर लगा दी थी। अभिभावकों का यह कहना था कि जब कोरोना के मामले कम हो रहे हैं और अस्पतालों में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या भी काफी कम हैं तो स्कूलों को खोला जाना चाहिए ताकि बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो। महाराष्ट्र सरकार ने स्कूलों को खोलने की इजाजत भले दे दी हो लेकिन इसके साथ कुछ शर्तें भी लगाई हैं।

नौकरी की आग

इसके पहले भी कुछ बोगियों को आग के हवाले किया गया था। इसके बाद हालात को काबू करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी छोड़े हैं। जहानाबाद, समस्तीपुर, रोहतास समेत कई इलाकों में छात्र रेलवे ट्रैक पर उतर गए और नारेबाजी करने लगे। प्रदर्शन कर रहे छात्रों की वजह से कई जगहों पर ट्रेन खड़ी हो गईं। छात्रों के हिंसक प्रदर्शन को देखते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव दोपहर साढ़े तीन बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि हमारे पास परीक्षा को लेकर कोई शिकायत नहीं आई। हमने जांच कमेटी बनाई है और वो इसकी जांच करेगी। कमेटी 4 मार्च तक अपनी रिपोर्ट सौंप देगी। उन्होंने छात्रों से अपील की कि रेलवे आपकी ही संपत्ति है और इसकी सुरक्षा करिए। रेल मंत्री ने कहा कि कुछ लोग छात्रों के प्रदर्शन का गलत फायदा उठा रहे हैं। छात्रों को भ्रमित न किया जाए, ये मामला देश का है। छात्रों से अपील है कि आप अपना विषय हमारे सामने रखिए और संवेदनशीलता के साथ इसे देखेंगे। जहानाबाद में पुलिस ने आंसू गैस और बल प्रयोग कर ट्रैक को खाली कराया। इससे पहले पुलिस और रेलवे के अधिकारी छात्रों को समझाने की कोशिश की, लेकिन जब छात्र पथराव करने लगे तो पुलिसवाले लाठियां भांजने लगे।

समाचार
मुंबई, गुरुवार, 27 जनवरी 2022

नरौली में अरमान उलहक व संजीव राघव ने गरीबों को घर घर जाकर कंबल वितरण किए

संभल। नगर पंचायत नरौली में नामित सदस्य संजीव कुमार सिंह राघव व राष्ट्रीय समाचार पत्र हिन्दी दैनिक मुंबई हलचल के पत्रकार अरमान उल हक उर्फ. हक साहब ने नरौली के विभिन्न मोहल्लों बंजारी कुआं तेलीवाला कुआं,काजी टोला,मकुपुरा में घर घर पहुंचकर निर्धन विधवाओं जरूरतमंदो को कड़कड़ाती ठंड में शीत लहर से बचाव के लिए कम्बल वितरण किए कम्बल पाकर गरीब जरूरतमंदो के चेहरे खुशी से खिल उठे महिलाओं और बुजुर्गों ने अपनी नेक दुवाओं से नवाजा पत्रकार अरमान उल हक ने अपने सम्बोधन में कहा आर्थिक रूप से मजबूत लोगों को गरीब जरूरतमंद लोगों को हमेशा मदद करनी चाहिए नामित सदस्य संजीव राघव ने कहा गरीब लोगों की मदद करने से दिल को रूहानी सुकून मिलता है

...गणतंत्र दिवस के साथ साथ संविधान दिवस भी: डॉ. सुनीता खोकर

भीलवाड़ा में विश्व वाल्मीकि धर्म संगठन ट्रस्ट द्वारा गणतंत्र दिवस मनाया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। भीलवाड़ा के अरिहंत हॉस्पिटल के पास वाल्मीकि समाज की सबसें बड़ी बस्ती के वाल्मीकि सर्किल पर तिरंगा झंडा फहरा कर धुमधाम से 26 जनवरी गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विश्व वाल्मीकि धर्म संगठन की संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुनीता खोकर ने झंडा रोहण किया संगठन के सभी पदाधिकारी व समाज के वरिष्ठ जनों ने मिलकर राष्ट्रगान गाया देश की आन बान शान तिरंगे को सलामी देकर सभी के साथ 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के राष्ट्रीय पर्व को बड़े धूम-धाम से मनाया गया! सभी ने एक दूसरे को मिठाई खिलाई और बधाइयाँ दी! इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुनीता खोकर संगठन के प्रदेश प्रभारी पारस घावरी, त्रिलोक चंद आर्य, दशरथ, समाज के वरिष्ठजन लादुराम चावंरिया, ललित कंडारा, जगदीश प्रसाद, ओमप्रकाश मल्होत्रा, भैरु लाल छपरीबन्ध व संघठन के कार्यकर्ता और समाज के गणमान्य लोगों की उपस्थिति में कार्यक्रम सफल रहा! विश्व शांति दूत डॉ. सुनीता खोकर ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताते हुए अपने उदबोधन में गणतंत्र का अर्थ बताते हुए बाबा साहब के द्वारा रचित संविधान जिसके द्वारा ही हमें गणतंत्र प्राप्त हुआ हैं! 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू किया गया और देश में गणतंत्र की स्थापना हुई ऐसे देखा जाए तो आज संविधान दिवस भी हैं क्योंकि आज के दिन संविधान लागू किया गया था! वर्तमान समय में कोरोना महामारी की तीसरी लहर से निपटने के लिए सरकार द्वारा दिए गए दिशा निर्देश की पुर्ण पालना करने का सभी से आग्रह किया गया और लोगों को व बच्चों को वैक्सीनेशन लगाने की अपील की गई! वैक्सीनेशन के आधार पर ही हम कोरोना को हरा सकते हैं! सभी को ज्यादा से ज्यादा वैक्सीनेशन करवा कर अपने देश को कोरोना की जंग में जिताना हैं! आज वैक्सीनेशन के कारण ही हम तीसरी लहर से लड़ पा रहे हैं! हम सभी नागरिकों को देश और स्वयं की रक्षा के लिए वैक्सीनेशन कराना अति आवश्यक हैं! डॉक्टर खोकर ने देश की आजादी के लिए कुबार्नी देने वाले समस्त वीर वीरांगनाओं को भी याद कर नमन किया।

बुलढाणा में उल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

कोरोना पर काबू पाकर जिला विकास की ओर बढ़ रहा: पालकमंत्री डॉ. शिंगणे

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस 73 वी वर्षगाठ पूरे बुलढाणा जिले में उल्लास के साथ मनाया गया। सरकारी और अर्द्ध सरकारी भवनों, शिक्षण संस्थानों पर ध्वजारोहण किया गया। बुलढाणा में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पुलिस परेड ग्राउंड में पालकमंत्री डॉ. राजेंद्र शिंगणे ने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी भी ली। इस मौके पर जिला वासियों से संबोधित करते हुए राज्य के अन्न व औषध प्रशासन तथा ज़िले के पालकमंत्री डॉ. राजेंद्र शिंगणे ने कहा आज हम कोरोना वायरस संक्रमण के संकट का सामना कर रहे हैं। राज्य सरकार ने प्रशासन के साथ मिलकर वायरस के फैलाव को रोकने के लिए विभिन्न उपाय लागू किए। इसी का नतीजा है कि सरकार कोरोना संक्रमण पर काबू पाने में कामयाब हो रही है।भारतीय प्रजासत्ताक के 72वीं वर्धापन दिन के अवसर पर मुख्य सरकारी समारोह पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित किया था। झंडा फहराने के बाद जिले को संबोधित करते हुए पालक मंत्री डॉ. राजेंद्र शिंगणे बोल रहे थे। इस अवसर विधायक संजय गायकवाड़, विधायक श्वेताताई महाले,

जिला पंचायत अध्यक्ष मनीषा पवार, उपाध्यक्ष कमलताई बुधवत, कलेक्टर एस राममूर्ति, जिला पुलिस अधीक्षक अरविंद चावड़िया, अपर कलेक्टर धनंजय गोगटे सहित अन्य स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व सैनिक, विभागाध्यक्ष, अधिकारी व जनप्रतिनिधि शामिल थे। इस अवसर पर उपस्थित। पिछले साल जिले में भारी बारिश और बाढ़ से फसलों को भारी नुकसान होने की बात बताते हुए संरक्षक मंत्री डॉ. शिंगाने ने कहा कि ऐसे में सरकार किसानों के साथ खड़ी है और आर्थिक सहायता की घोषणा की है। खरीफ सीजन 2021 के दौरान जून से अक्टूबर तक हुई भारी बारिश और लगातार बारिश से 2.17 लाख हेक्टेयर क्षेत्र प्रभावित हुआ था। नियमानुसार 96 हजार 457 किसानों को 74.87 करोड़ रुपये की मुआवजा राशि वितरित की जा चुकी है। खरीफ सीजन 2020-21 के तहत प्रधानमंत्री पिक बीमा योजना में 1 लाख 25 हजार 21 किसानों को 99.91 करोड़ रुपये का मुआवजा मंजूर किया गया है। महात्मा जोतिराव फुले किसान ऋण राहत योजना के तहत जिले के 1 लाख 69 हजार 596 लाभार्थी किसानों के ऋण खातों में सीधे 1139 करोड़ रुपये जमा किए गए हैं। इससे निश्चित रूप से किसानों पर कर्ज का बोझ कम हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि गरीबों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को रुपये की मामूली दर पर गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के लिए शिव भोजन थाली योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत वर्ष 2021 में 23 शिवभोजन केंद्रों के माध्यम से 9 लाख 36 हजार प्लेट रियायती दर पर वितरित की गई है। साथ ही अंत्योदय, प्रधान कुटुंब और शेतकारी योजना के लाभार्थियों को हर माह 1 लाख 20 हजार 400 क्विंटल खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। जिले में अब तक वर्ष 2021-22 में रोह्यो के माध्यम से 53 हजार 327 व्यक्तियों को रोजगार मिला है। जिले में इस समय रोह्यो के अंतर्गत 831 कार्य हैं तथा इनमें 4 हजार 275 श्रमिक कार्यरत हैं। पालकमंत्री डॉ शिंगणे ने कहा कि कोरोना पर स्थायी रूप से नियंत्रण के लिए टीकाकरण अभियान चल रहा है। जिले में 18 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग के 16 लाख 80 हजार 836 हितग्राहियों ने वैक्सीन की पहली खुराक ली है और 10 लाख 42 हजार 591 लाभार्थियों ने वैक्सीन की दूसरी खुराक ली है। अब तक 15 से 18 वर्ष की आयु के 57,048 लाभार्थियों ने टीके की पहली खुराक ली है। राजेंद्र शिंगाने ने के हाथों विभिन्न पुरस्कार और पुरस्कार वितरित किए। जिला कलेक्टर एस राममूर्ति को सशस्त्र सेना झंडा दिवस 2020-21 के लिए उत्कृष्ट कोष जुटाने के लिए स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

कालियास पंचायत भवन व विधालय में गणतंत्र दिवस मनाया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। जिले की आसींद तहसील के कालियास कस्बे के पंचायत भवन व राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में गणतंत्रता दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया! विधार्थियों ने रंग बिरंगी देशभक्ति की प्रस्तुतियां दी जिससे आगंतुक ग्रामवासी भाव विभोर हो गए! सरपंच शक्ति सिंह चुंडावत के ससुर का आमेट में आकस्मिक दुःखद निधन हो जाने से वो गणतंत्रता दिवस में शामिल नहीं हो सके। इस अवसर पर समाजसेवी एवं भाजपा नेता श्री कान सिंह चुंडावत, पुर्व अध्यापक सुखदेव रेगर, उप सरपंच देवकरण जाट, वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता जगदीश सेन, महावीर माण्म्या, कमलेश मेघवंशी, ओमप्रकाश जाट, श्याम लाल वर्मा, शंकर सिंह राठौड़, शांति लाल लक्ष्कार, नेमी चंद जीनगर सहित सभी वार्ड पंच उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

नगर स्थित गुरुकुल कंप्यूटर इंस्टिट्यूट पर गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ध्वजारोहण के पश्चात भाजपा युवा मोर्चा के मंडल मंत्री ऋतिक चौरसिया ने कहा कि यही वो तारीख है, जब देश की आजादी के बाद 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने संविधान अपनाया था, और समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को पूरे सम्मान के साथ जीने का अधिकार मिला। एवं इंस्टीट्यूट के प्रबंधक संजय कसौधन ने सभी बच्चों का मुंह मीठा कराते हुए गणतंत्र दिवस की बधाई दी, एवं बच्चों को संविधान के प्रति तमाम जानकारियां दी। कार्यक्रम में संजय कसौधन, भाजपा युवा मोर्चा मंडल मंत्री ऋतिक चौरसिया, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद खेल मंत्री गोपाल जयसवाल आदि लोग मौजूद रहे।

जोधपुर रांकावत समाज छात्रावास में गणतंत्र दिवस मनाया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। रांकावत शिक्षण संस्थान एवं छात्रावास जोधपुर में 73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजेन्द्र गोयल (पूर्व कार्यवाहक राष्ट्रीय अध्यक्ष) एवं बाबूलाल बोराणा, अध्यक्ष मगरापट्टी समाज संस्था के मुख्य आतिथ्य में झण्डा रोहण किया गया। मीडिया प्रभारी भरत राजमणी ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि इस छात्रावास समोरह में उपस्थित गोविन्द मामडोली, महामंत्री अ. भा.रां.ब्रा. सभा, दिल्ली, देवदास शर्मा संरक्षक, नारायणदास भैरुदिया अध्यक्ष छात्रावास लीलाधर गोयल श्री लूणदास भैरुदिया, राजेन्द्र राजमणी, राजेश मालवीय, प्रेमनारायण चाष्टा, वीरेन्द्र रांका,पीयुष कुमार लाडवा, मनीष दैय्या, ओमप्रकाश आरोड़, लक्की शर्मा एवं छात्रावास में निवासरत छात्रों की उपस्थित रही। इस अवसर पर गोविन्द मामडोली ने गणतंत्र दिवस पर प्रकाश डाला। समारोह की विधिवत समाप्ति के पश्चात छात्रावास में निवासरत छात्रों के विकास हितार्थ, कल्याणार्थ दानराशि भेट करने का आश्वासन राजेन्द्र गोयल एवं बाबूलाल बोराणा ने दिया।

आठ करोड़ रुपए भी खर्च हो गए, फिर भी कोरोना से जिंदगी की जंग हार गया धर्मजय

(वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक मोहम्मद जावेद खान की कलम से)

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। रीवा के रकरी गाँव के धर्मजय को वैश्विक बीमारी कोरोना ने अपनी चपेट में ऐसा लिया कि मरने के बाद ही उसका उसकी बीमारी से पीछा छूटा! धर्मजय के जीवन की हकीकत को वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक मोहम्मद जावेद खान ने जिस मार्मिक तरीके से उजागर किया हैं उसे देखकर आने वाले समय में आने वाली संभावित इस भयानक त्रासदी से आपकी आंखें खोलने के लिए काफी है! मोहम्मद जावेद खान लिखते हैं कि -

जमी बेच कर भी,
ऐ जिंदगी तेरा,
सहारा ना मिला ।
कोरोना की लहर में,
मुझे जिंदगी का
किनारा ना मिला ।।

एहसास तो हुआ था मुझे, मगर देर बहुत हो गई,ढूंढे मैंने अपनी ज़िंदगी के निशान वाकई बहुत देर हो गई। ऐसा ही कुछ रीवा के धर्मजय के साथ हुआ, कोरोना नामक असुर ने धर्म को हराकर यह बात साबित कर दी अधर्मी कोरोना की जीत धर्म पर हुई, फिर हार गया धर्म जीत गया कोरोना, जमीन बिक गई फिर भी ठीक ना हो सका रीवा का धर्मजय, कोरोना ने धर्मजय को ऐसे गले लगाया और धर्मजय को बहुत दूर ले गया, जहां से कोई वापस लौट के नहीं आ सकता। धर्मजय तो गया साथ में 8 करोड़ की 50 एकड़ जमीन भी बिक गई,यह छोटा सा वायरस जो आंखों से नहीं दिखता, बड़ा शक्तिशाली हैं, 8 करोड़ रुपए इलाज में खर्च हुए पर धर्मजय ठीक ना हो सका,धर्मजय के परिवार ने ठान लिया था, चाहे सब कुछ बिक जाए पर धर्मजय को ठीक कर घर ले जाएंगे, चाहे हर रोज 3 लाख रुपए खर्च हो या घर के जेवर बिक जाएं या 50 एकड़ जमीन 8 करोड़ रुपए की बिक जाए पर हमारा धर्म बच जाए। अब धर्मजय के परिवार के मन में यही विचार आता होगा, ज़िंदगी अब ज़िंदगी ना रही क्या कहें धर्म तेरे साथ जितने साल गुजारे बेहतर थे। धर्मजय मध्य प्रदेश के रीवा के किसान थे! धर्मजय आठ महीने पहले कोरोना संक्रमित हुए थे और इलाज में आठ करोड़ रुपये खर्च कर दिए गए, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। रीवा के किसान धर्मजय सिंह को आठ महीने पहले अप्रैल में शहर के संजय गांधी अस्पताल में ऐडमिट कराया गया था,जहां उन्हें फेफड़ो में ज्यादा संक्रमण होने की वजह से चेन्नई के अपोलो अस्पताल में रेफर कर दिया गया। आठ महीने तक चले इलाज में परिवार की 50 एकड़ जमीन बिक गई, लेकिन धर्मजय की जान नहीं बच सकी। लंदन के डॉक्टर भी हुए फेल, रीवा के रकरी गांव में रहने वाले धर्मजय के इलाज में देश के कई नामी डॉक्टरों के अलावा लंदन के डॉक्टर भी लगे थे। लेकिन किसी भी तरह से उनकी जान नहीं बचाई जा सकी और धर्मजय ने दम तोड़ दिया। धर्मजय को एक प्रगतिशील किसान के तौर पर जाना जाता था। मध्य प्रदेश के विंध्य इलाके में गुलाब और स्ट्रॉबेरी की खेती कर उन्होंने अपनी खास पहचान बनाई थी, 26 जनवरी 2021 को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने धर्मजय को उन्नत खेती के लिए सम्मानित भी किया था। आजकल फिर से कोरोनावायरस ने देश, प्रदेश में पैर जमाना शुरू कर दिया हैं, रोज देश में 3 लाख से ऊपर मरीज निकल रहे हैं और हमारे शहर भोपाल में तकरीबन रोज पन्द्रह सौ से ज्यादा मरीजों की पहचान हो रही हैं, इतने कोरोना के मरीज मिलने के बावजूद लोगों को देखने के बाद ऐसा लगता हैं, सोशल डिस्टेंसिंग एवं मास्क को ठेंगा दिखा रहें हों और कह रहें हों, हम नहीं सुधरेंगे, शादियों में हजार, पांच सौ लोगों का इकट्ठा होना आम बात हैं,चाय की दुकानों पर चाय की चुस्कियां लेते लोगों के झुंड के झुंड होना आम बात हैं, रविवार के दिन किसी भी रेस्टोरेंट में चले जाएं भीड़ होना आम बात है और रेस्टोरेंट के बाहर जगह के लिए वेटिंग में खड़ा होना एक आम बात हैं। थोड़ा एहतियात कर लो, यह लहर भी निकल जाएगी, अगर ऐसा ही रहा, तुम भी धर्मजय की तरह लाखों, करोड़ों रुपए खर्च करते रहोगे और परिवार वाले हाथ मलते रह जाएंगे,ऊपरवाला ना करें, दीवार पर तुम्हारा फोटो लगा होगा और उस पर माला चढ़ी होगी, इसलिए मास्क पहने, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें, यह वायरस भले ही छोटा हो, आंखों से ना दिखता हो, पर असुर से कम नहीं।

मत थर-थर काँपो तुम,
कोरोना को अब भाँपो तुम।
यह वक़्त भी गुजर जाएगा,
थोड़ी तो सावधानी करो तुम।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

देश की आजादी के लिए कई क्रांतिकारियों ने अपना सब कुछ खपा दिया: वीना वोहरा

अखिल भारतीय ध्यान योग संस्थान ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। अखिल भारतीय ध्यान योग संस्थान, जानकी वाटिका कक्षा द्वारा सन्तनिवास नेहरू नगर में प्रतिदिन की भाँति योग शिक्षक प्रवीण आर्य ने ओ३म् की ध्वनि से सत्र को ऑनलाइन व फिजिकली प्रारम्भ किया, उन्होंने हाथों,पैरों, गर्दन और आंखों के सूक्ष्म व्यायाम, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के अभ्यास और सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया। योग शिक्षिका मीनाक्षी अग्रवाल ने कपाल भांति,अनुलोम विलोम, कर्णरोगान्तक ओर प्रणायाम का अभ्यास कराया और इसके लाभों की चर्चा की। 73 वें गणतंत्र दिवस पर वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती वीना वोहरा ने ध्वज फहराया व उपस्थित सभी साधकों ने राष्ट्रीय गान गाया। उन्होंने गणतंत्र दिवस पर संस्थान की ओर से साधकों को बधाई दी ओर अपने संदेश में कहा की देश को आजाद कराने के लिए हमारे कई क्रांतिकारियों ने अपनी जान की बाजी लगायी है ताकि हम सब चैन की नींद सो सकें देश भक्ति की मिसाल हैं वे सभी वीर जिन्होंने देश को आजाद करवाया।हम सब के अंदर भी देश भक्ति होनी चाहिए,देश सेवा का कोई भी अवसर मिले तो उसे खोना नहीं चाहिए। समारोह के मुख्य अतिथि श्री मंगल सिंह ने अपने सम्बोधन में साधकों को कहा कि सृष्टि के आरम्भ से महाभारत काल तक सारे संसार में वेदों का ज्ञान उपलब्ध था।ज्ञान का केन्द्र आर्यावर्त (भारत) होता था। हमारे देश की संस्कृति बहुत पुरानी है संसार के लोग चारित्रिक शिक्षा प्राप्त करने के लिए भारत के ऋषियों व विद्वानों के पास नालंदा तक्षशिला विश्वविद्यालय में आते थे, आप भी योग साधना और प्राचीन ऋषि मुनियों की विद्या को ग्रहणकर राष्ट्र में अहम भूमिका निभा सकते हैं। योग शिक्षिका श्रीमती विभा शर्मा, दर्शना मेहता, सुमन अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, अनीता गुप्ता, मीनू अग्रवाल आदि ने देशभक्ति के गीतों को सुनाकर राष्ट्रप्रेम की भावना को जागृत कर दिया। वशिष्ठ अतिथि श्री नेत राम जी ने देशभक्ति गीत पर साधकों को एरोबिक्स एक्सरसाइज का अभ्यास कराया। समाज सेवी श्री राम प्रकाश गुप्ता ने शांति पाठ व प्रसाद वितरण के साथ समारोह को सम्पन्न किया! उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं?

मुस्लिम महासंघ ने मनाया गणतंत्र दिवस समारोह

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

उदयपुर। मुस्लिम महासंघ प्रदेश उपाध्यक्ष सैयद दानिश अली ने बताया कि गणतंत्र दिवस पर मुस्लिम महासंघ ने राष्ट्रीय कार्यालय पर ध्वजारोहण कर हर्ष उल्लास के साथ गणतंत्र दिवस मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सीएमएचओ डॉ दिनेश खराड़ी,विशिष्ट अतिथि बीके खट्टर चेतक मॉल निर्देशक,बार एसोसिएशन अध्यक्ष एडवोकेट गिरजा शंकर मेहता थे। एव समारोह की अध्यक्षता महासंघ के संस्थापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी मोहम्मद बक्ष ने की। ध्वजारोहण अतिथियों द्वारा किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत कार्यकर्ताओ द्वारा किया गया। स्वागत भाषण में प्रदेश अध्यक्ष मुहम्मद हनीफ ने अतिथियों का स्वागत करते हुए गणतंत्र दिवस की महत्वता पर प्रकाश डाला सभी अतिथियों ने महासंघ के कार्यो की प्रशंसा करते हुए महासंघ द्वारा किये जा रहे समाज एव देश हित आपसी भाईचारे को बढ़ाने में योगदान बिना धार्मिक भेदभाव के सामाजिक सेवा करने की प्रशंसा की कहा की सही अर्थों में सँविधान हमे यही सिख देता है। इस मौके पर बार एसोसिएशन उदयपुर अध्यक्ष एडवोकेट गिरजा शंकर मेहता, उपाध्यक्ष दिलीप कुमार बापना, महासचिव भूपेंद्र सिह चुण्डावत,सचिव अजय आचार्य, वित्त सचिव डॉ सैयद रिजवाना रिजवी, पुस्तकालय सचिव पंकज कुमार जैन, जिला क्रिकेट एसोसिएशन से जिलाध्यक्ष मनोज भटनागर बीसीसीआई, जिला उपाध्यक्ष अनीस इकबाल, मनोज चौधरी केशियर क्रिकेट संघ, पुलिस विभाग से शरीफ खान सूरजपोल थाना, अतहर हुसैन हाथीपोल थाना, फिरोज खान पुलिस टीम एटीएस, एव शिक्षा के क्षेत्र में ओवेस अंसारी आई आई टीहैदराबाद,लायबा नूर गोल्डमेडलिस्ट मोहनलाल सुखाडिया यूनिवर्सिटी को मुस्लिम महासंघ टीम द्वारा मोमेन्टो व शाल ओढाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संचालन राष्ट्रीय महासचिव एडवोकेट के आर सिद्दीकी ने किया। शुक्रिया प्रदेशाध्यक्ष महिला विंग प्रोफेसर सरवतुन्निसा खान ने किया। इस मौके पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शफी मेकेनिक, इब्राहिम खेरादी, प्रदेश संयोजक जुबैर खान, संभाग अध्यक्ष तौकीर रजा, शादाब खान, माजिद खान, हसमुद्दीन, मजीद खान, इमरान मोहम्मद, नासिर मंसुरी आदि पदाधिकारी/कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

73वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

मुंबई हलचल/नदीम अख्तर

73 वां गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ नगर सहित आस पास के क्षेत्र में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। गणतंत्र दिवस के मौके पर स्कूलों में बच्चों की भीड़ भाड़ कम देखने को मिली कोरोना वायरस महामारी की तीव्रता को देखते हुए गाइड लाइन के अनुसार मास्क आदि का प्रयोग किया गया। प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में नाटक संगीत आदि का जशन मनाया जाता था जिससे छोटे छोटे बच्चे उत्साहित रहतें थे गणतंत्र दिवस के मौके पर छोटे छोटे बच्चों में भी हर्षोल्लास का जज्बा दिखाई दिया। कोतवाली, तहसील भवन, पशुचिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, दूरभाष केन्द्र, बीज भंडार, राजकीय इंटर कालेज, सन राइज इंटर कालेज, मण्डी समिति, उपकोषागार, नगर पालिका परिषद, प्राथमिक विधालय फैजुल्लानगर, तथा मुस्लिम मदरसों में भी गणतंत्र दिवस के अवसर पर झण्डा फहराया गया।

जिला समाजवादी पार्टी कार्यालय में तिरंगा झंडा फहराकर धूमधाम से 26 जनवरी गणतंत्र दिवस समारोह मनाया गया

मुंबई हलचल/मो सालिम आजाद

मधुबनी। 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर मधुबनी जिला समाजवादी पार्टी कार्यालय में जिला अध्यक्ष मुमताज आलम और प्रदेश सचिव राम सुदिष्ट यादव ने संयुक्त रुप से झण्डोतोलन किया। इस अवसर पर पूर्व प्रखंड विकास पदाधिकारी चंद्रशेखर ठाकुर जी किसान नेता राम इकबाल यादव जी, मोहम्मद मुस्तफा साहब, मोहम्मद अली मुस्तफा, मोहम्मद सईद साहब, मोहम्मद अख्तर मस्तान, मोहम्मद आसिफ, मोहम्मद अरशद, आदि दर्जनों लोगों ने इस गणतंत्र दिवस के अवसर पर भाग लेते हुए राष्ट्र को सलामी दी।

राष्ट्रीय बाल दिवस पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लिंक के माध्यम से अवगत कराया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने राष्ट्रीय बाल दिवस 24 जनवरी पर महिला बाल विकास विभाग चांदवड सुपरवाइजर श्रीमती प्रीति श्रीवास्तव ने अपने सेक्टर करोड़ भोपाल की कार्यकर्ताओं कॉल लिंक के माध्यम से जोड़कर कार्यक्रम किया जिस में शामिल सभी किशोरी बालिकाएं शोर दल के सभी सदस्य लाड़ली लक्ष्मी योजना की समस्त बालिकाओं को लिंक के माध्यम से अवगत कराया गया इसमें सेक्टर की सभी कार्यकर्ताओं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं साजिदा, मसरख कुरेशी, रेखा तिवारी, समीना इरफान, और अनीता तिवारी ने लिंक के माध्यम से कार्यक्रम में भाग लिया! उक्त जानकारी वरिष्ठ पत्रकार मोहम्मद नावेद खान ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्किन को 5 फायदे देता है जोजोबा ऑयल

हमारी त्वचा में प्राकृतिक रुप से सीबम नाम का एक तेल मौजूद होता है। जो हमारी त्वचा को नेचुरल तरीके से पोषण देने का काम करता है। ठीक उसी तरह के प्राकृतिक गुण जोजोबा ऑयल में भी पाए जाते हैं। जो हमारी त्वचा के तमाम परेशानियों को दूर करने का काम करता है। जोजोबा ऑयल त्वचा को मॉश्चराइज करता है। जिससे त्वचा का स्न्ल्ट लेवल नार्मल रहता है। इस तेल से रोजाना मसाज करने से आपकी त्वचा को कई तरह के फायदे पहुंचते हैं। सबसे पहले जानेंगे जोजोबा ऑयल से त्वचा को होने वाले फायदे....

◇◇

● त्वचा को दे पोषण

त्वचा में मौजूद सीबम ऑयल और जोजोबा के प्राकृतिक गुण त्वचा को प्राकृतिक रुप से मॉइश्चराइज करने का काम करते हैं। मॉइश्चराइज करने के साथ-साथ इस तेल से त्वचा की गई मालिश त्वचा को एक प्रोटेक्टिव लेयर देती है जिससे आपकी स्किन धूल, मिट्टी और प्रदूषण से होने वाले नुकसानों से बच जाती है।

● झुर्रियां और झाइयां

जोजोबा ऑयल के इस्तेमाल से आपकी उम्र का प्रभाव कम होता है। मार्किट में मिलने वाले एंटी एजिंग प्रोडक्ट्स में भी ज्यादातर इसी ऑयल का इस्तेमाल किया जाता है। इस तेल की चेहरे पर मालिश से ब्लड सकुर्लेशन अच्छा होता है। इसके अलावा त्वचा में नई और स्वस्थ कोशिकाओं का निर्माण होता है जिससे आपकी त्वचा यंग एंड ब्युटीफुल दिखती है।

● सनबर्न करे ठीक

कई बार धूप में अधिक देर रहने की वजह से त्वचा काली या लाल पड़ जाती है। ऐसी सिचुएशन में जोजोबा ऑयल की मालिश स्किन को गहराई से पोषण देता है और सन-टैन व सन-बर्न जैसी परेशानियों से मुक्त करता है।

● त्वचा की सूजन

कई बार स्किन इंफेक्शन या फिर किसी बीमारी की वजह से त्वचा पर सूजन हो जाती है। जोजोबा ऑयल के एंटी-ऑक्सीडेंट तत्व त्वचा की सूजन को कम कर अंदरूनी मांसपेशियों को एक्टिव करने का काम करता है।

● कट्स और घाव के लिए फायदेमंद

जोजोबा ऑयल में एंटी-बैक्टीरियल गुण विटामिन-ए पाया जाता है। यदि रसोई में काम करते वक्त या फिर किसी और वजह से शरीर पर कोई घाव या कट लग जाए तो उस पर जोजोबा ऑयल लगाएं। इसकी मदद से घाव तेजी से भरते हैं और नई कोशिकाओं का निर्माण भी तेजी से होता है।

● यूं करें इस्तेमाल

जोजोबा ऑयल आपको मार्किट में आसानी से मिल जाएगा। कोशिश करें कि आयुर्वेदिक जोजोबा ऑयल ही खरीदें। चेहरे की मसाज के लिए बादाम, आर्गन, और जोजोबा ऑयल सभी बेस्ट रहते हैं। बहुत शुष्क त्वचा के लिए, आर्गन या बादाम का ऑयल चुनें। मध्यम से तैलीय त्वचा के लिए जोजोबा ऑयल बेस्ट रहेगा। इस तेल से हफ्ते में 3 बार चेहरे की मसाज जरुर करें। यदि आपको डार्क सर्कलस की प्रॉबल्म है तो आंखों के नीचे जोजोबा ऑयल मे विटामिन-ए कैप्सूल मिक्स करके इस्तेमाल करें।

मसाज का तरीका

मसाज करने के लिए रोज रात को 3 से 4 बूंदे हाथों की उंगलियों पर डालकर गालों से मसाज की शुरूआत करें। 2 से 3 मिनट तक ऑयल की मदद से ऊपर की तरफ हाथों को ले जाते हुए चेहरे को मसाज करें। नाक और माथे पर भी इसी तरह 2 से 3 मिनट तक मसाज करें। अगर आपको ठीक लगे तो रात भर ऑयल लगा रहने दें। वरना गुनगुने पानी के साथ 10 मिनट के बाद मुंह धो लें।

रूखे-बेजान बालों के लिए रामबाण है बेसन

सिल्की, शाइनी और खूबसूरत बाल तो हर महिला की ख्वाहिश होती है लेकिन प्रदूषण और गलत चीजों के इस्तेमाल से बाल रूखे व बेजान हो जाते हैं। ऐसे में आप घरेलू नुस्खे अजमाकर बालों से जुड़ी हर समस्या का समाधान कर सकती हैं। आज हम आपको बेसन का एक ऐसा नुस्खा बताने जा रहे हैं, जो ना सिर्फ रूखे-बेजान बालों को सिल्की बनाएगा बल्कि इससे डैंड्रफ और हेयरफॉल जैसी परेशानियां भी दूर हो जाएंगी।

बालों के लिए बेसन का मास्क

पहला नुस्खाः इसके लिए एक बाउल में 2 टीस्पून बेसन, 2 टीस्पून दही और 1 नींबू के रस को मिक्स करके साइड में रखें। इसके बाद इसे स्कैल्प पर अच्छी तरह लगाएं और 30 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर साफ पानी से बालों को अच्छी तरह धो लें लेकिन ध्यान रहें कि इस दौरान आप किसी शैंपू का यूज ना करें। हफ्ते में कम से कम 2 बार इस पैक का इस्तेमाल करें।

दूसरा नुस्खाः 3-4 टीस्पून बेसन, 1 अंडा, दही और 3-4 बूंदें नारियल तेल की मिक्स करके बालों में अच्छी तरह लगाएं। फिर 1 घंटे बाद बालों को माइल्ड शैंपू से अच्छी तरह धो लें। हफ्ते में कम से कम 2 बार इस पैक को नियमित रूप से लगाएं। कुछ समय बाद आप खुद फर्क महसूस करेंगी।

बालों के लिए बेसन के फायदे

- ➤प्रोटीन से भरपूर होने के कारण बेसन बालों की ग्रोथ बढ़ाने में मदद करता है। साथ ही इससे बाद घने भी होते हैं।
- ➤बेसन बालों के लिए नेचुरल क्लींजर की तरह काम करता है और सारी गंदगी को बाहर निकालता है।
- ➤इसमें मौजूद पोषक तत्व स्कैल्प को हेल्दी रखते हैं, जिससे हेयर फॉलिकल्स में मजबूती आती है और बाल झड़ना बंद हो जाते हैं।
- ➤क्योंकि इसमें किसी तरह का कोई केमिकल नहीं होता इसलिए यह बालों के लिए बिल्कुल सुरक्षित नुस्खा है।
- ➤अगर आप चाहे तो बेसन में बिना कुछ मिक्स किए शैंपू की तरह भी यूज कर सकती हैं।
- ➤यह ना सिर्फ बालों को झड़ने से रोकती है बल्कि इससे बाल बाउंसी भी होते हैं।

बालों की हर प्रॉब्लम का हल है आंवला, रीठा और शिकाकाई

आंवला, रीठा और शिकाकाई

अगर आंवला,रीठा और शिकाकाई जैसे कुछ असरदार कुदरती तत्वों का हेयर केयर के लिए इस्तेमाल किया जाए तो इससे झड़ते बालों में नई जान डाली जा सकती है। इन तीनों हर्बल फलों को जब मिला दिए जाए तो ये हमारे बालों पर जादू की तरह असर करते हैं।

● आंवला

आंवला एक तरह की औषधि है। इसमें विटामिन-उ, कैल्शियम, फास्फोरस, आयरन, कैरोटीन, विटामिन-इ, फाइबर और काबोर्हाइड्रेट जैसे तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। कैमिकल्स के लगातार इस्तेमाल से बेजान और रुखे बालों को ठीक करने के लिए आंवला सबसे महत्वपूर्ण औषधि के रुप में साबित होता है।

● रीठा

रीठा एंटी-ऑक्सिडेंट्स, आयरन और विटामिन-उ से भरपूर है। यह सभी तरह की हेयर प्रॉब्लम्स को दूर करने में प्रभावी है। रीठा बालों की कोशिकाओं को स्वस्थ बनाने के अलावा बालों के विकास में भी मदद करता है।

● शिकाकाई

शिकाकाई बालों को पोषण देने वाले कई तत्वों से युक्त हैं। शिकाकाई को एकेसिया कोंसिना कहा जाता है। इसके इस्तेमाल से बालों के स्न्ल्ट लेवल में सुधार होता है। जो कि बालों को कलर और अन्य हानिकारक कैमिकल्स के इस्तेमाल से खत्म हो चुका होता है।

इस तरह करें तीनों का इस्तेमाल

दोमुंहे बाल, झड़ते बाल, सफेद होते बाल के साथ बालों से जुड़ी अन्य समस्याओं को खत्म करने के लिए इन तीनों औषधियों का इस्तेमाल आपके लिए बहुत फायदेमंद रहेगा।, आंवला,रीठा और शिकाकाई पाउडर को बराबर मात्रा में मिलाकर पानी की मदद से एक गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। अब इस पेस्ट को 30 से 40 मिनट तक बालों में लगाकर छोड़ दें। उसके बाद आप किसी आयुर्वेदिक शैंपू से आप बालों को धो लें। इसके अलावा आप इन तीनों चीजों को मिलाकर घर पर ही शैंपू भी तैयार कर सकते हैं।

आंवला, रीठा और शिकाकाई से शैंपू तैयार करने के लिए 5-6 रीठा, 6-7 शिकाकाई और कुछ आंवला को पानी में रात भर के लिए भिगो कर रख दें। सुबह में इस मिश्रण को गर्म करें और जैसे ही यह उबलना शुरू कर दे, गैस की आंच बंद कर दें। अब इस मिश्रण को ठंडा होने के बाद मिक्सर में पीस लें। मिश्रण को छान लें और बाकी चीजों को अलग कर लें। अब इस लिक्विड का प्रयोग शैंपू के तौर पर करें। आपके बालों से जुड़ी हल समस्या कुछ ही दिनों में दूर हो जाएगी।

डैंड्रफ की समस्या के लिए यूं करें इस्तेमाल

डैंड्रफ से छुटकारा पाने के लिए आंवला, रीठा और शिकाकाई के पाउडर को दही के साथ मिलाकर एक लेप तैयार कर लें। इस लेप को अपने बालों में 1 घंटे के लिए लगा रहना दें। उसके बाद नार्मल पानी के साथ अपने हेयल वॉश कर लें।

ऑयली बाल इस तरह रहेंगे हेल्दी

ऑयली बालों की समस्या सबसे ज्यादा होती है। इनमें पसीना भी अधिक आता है और चिपचिपाहट भी अलग से रहती है। ऑयली बालों को सुंदर और शाइनी दिखाने के लिए क चम्मच रीठा पाउडर, एक चम्मच आंवला पाउडर, शिकाकाई, दही और मुल्तानी मिट्टी मिलाकर गाढ़ा पैक तैयार कर लें। इस पैक को भी सिर नहाने से एक घंटा पहले बालों में अपलाई करें। आप देखेंगी कि आपके बालों से एक्सट्रा ऑयल हट जाएगा साथ ही आपके बाल बॉउंसी लगेंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ईशा गुप्ता ने कोरोना होने के बाद बयां किया दर्द

कोरोना के मामलों के बढ़ने के बाद लोग सहम गए हैं। तो वहीं, बॉलीवुड भी इससे अछूता नहीं हैं। कई स्टार्स कोविड पॉजिटिव पाए गए थे। एक्ट्रेस ईशा गुप्ता भी उन स्टार्स में शामिल हैं जो कोविड पॉजिटिव पाई गई थीं जिसके बाद वो फिलहाल मेडरिड में रिकवर कर रही हैं। तो वहीं उनका परिवार दिल्ली में इस वायरस से रिकवर कर रहा है। इस नाजुक समय में वो अपनी फैमिली के साथ नहीं हैं और ये बात उन्हें काफी परेशान कर रही हैं। इससे उनका मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रहा है। ईशा गुप्ता ने कहा है, मुझे लगा था कि मैं उन चुनिंदा लोगों में से हूं जो वायरस से बच जाऊंगी। जनवरी में भारत में जब कोरोना पीक पर था तो मैं कोलकाता में शूटिंग कर रही थी, मेरे दूसरे सीरिज पर भी केस लेकिन मेरी टीम सुरक्षित थी। बाद में मुझे बुखार और खांसी हुआ और मेरी सूंघने की शक्ति भी खत्म हो गई थी। इससे मैं बहुत ज्यादा डर गई थी। मैं अपने स्वास्थ्य को लेकर पहले से भी अधिक सजग हो गई हूं। 36 वर्षीय ईशा गुप्ता इस महीने की शुरूआत में कोविड पॉजिटिव पाई गई थीं और फिलहाल वो अपने स्पेनिश बॉयफ्रेंड मैनुअल कामपोस गुल्लर के साथ आइसोलेशन में हैं। उन्होंने शेयर किया था, सौभाग्य से या दुर्भाग्य से, मेरे पार्टनर और मैं दोनों को कोविड है। इसलिए, यह इतना बुरा नहीं है क्योंकि वो मेरे साथ है। लेकिन मुझे लगता है कि इसने मानसिक रूप से मुझ पर भारी असर डाला है क्योंकि मैं इससे बहुत धीमी रफ्तार से ठीक हो पा रही हूं। साथ ही, मैं अपने परिवार के साथ रहने के लिए यात्रा नहीं कर सकती हूं।

सोनाक्षी सिन्हा ने शादी के सवाल पर दिया जवाब?

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा काफी बेबाक हैं और तमाम मुद्दों पर खुलकर बात करती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने फैंस के साथ 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन रखा। इस दौरान तमाम फैंस ने कई सवाल किए। वहीं, एक फैन ने उनकी शादी को लेकर सवाल कर दिया है। इस पर सोनाक्षी ने उसे करारा जवाब दे डाला। सोनाक्षी सिन्हा से एक फैन ने पूछा, मैम सबकी शादी हो रही है, आप कब शादी करेंगी? जिस पर सोनाक्षी सिन्हा ने फैन को करारा जवाब दिया, 'सभी को भी कोविड हो रहा है? क्या मुझे भी होना चाहिए? सोनाक्षी सिन्हा से एक अन्य फैन ने पूछा कि वह इस समय क्या कर रही हैं। इस पर उन्होंने बताया कि वह मार्वल मूवीज की फिल्में देख रही हैं। इसके साथ ये भी बताया कि वह अभी पांचवें नंबर की फिल्म पर पहुंचीं और अगली फिल्म 'थॉर' है। इस तरह से फैंस ने खूब सवाल किए जिसके सोनाक्षी सिन्हा ने जवाब दिए। गौरतलब है कि आए दिन सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल के कथित अफेयर को लेकर खबरे आती हैं। हाल ही में जहीर इकबाल ने सोनाक्षी सिन्हा संग अफेयर के सवाल का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा, वो मेरे सबसे अच्छे दोस्तों में से एक हैं। मुझे नहीं पता कि ये अफवाहें अचानक क्यों शुरू हो गईं। हम सब इतने सालों से साथ हैं। हम लंबे समय से दोस्त हैं।

दीपिका ने शाहरुख की 'पठान' साइन करने पर किया खुलासा

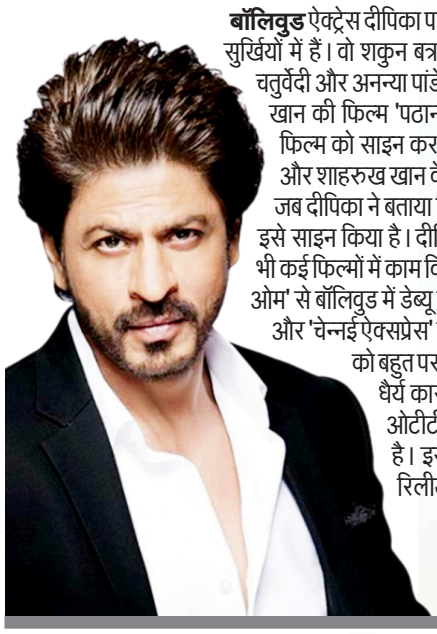

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस दीपिका पादुकोण इन दिनों अपनी फिल्म 'गहराइयां' को लेकर सुर्खियों में हैं। वो शकुन बत्रा की फिल्म को प्रमोट कर रही हैं। इसमें सिद्धांत चतुर्वेदी और अनन्या पांडे भी लीड रोल में हैं। इस बीच दीपिका ने शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' का भी जिक्र किया है। उन्होंने बताया कि इस फिल्म को साइन करने के पीछे की वजह क्या थी। दीपिका पादुकोण और शाहरुख खान के साथ 'पठान' में जॉन अब्राहम भी दिखाई देंगे। जब दीपिका ने बताया कि उन्होंने इस फिल्म की स्क्रिप्ट की वजह से इसे साइन किया है। दीपिका पादुकोण और शाहरुख खान ने पहले भी कई फिल्मों में काम किया है। दीपिका ने शाहरुख की 'ओम शांति ओम' से बॉलिवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद दोनों 'हैप्पी न्यू ईयर' और 'चेन्नई ऐक्सप्रेस' में साथ नजर आए। इनकी केमिस्ट्री फैंस को बहुत पसंद है। 'गहराइयां' की बात करें तो इसमें धैर्य कारवा भी हैं। ये फिल्म 11 फरवरी को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो रही है। इसका पहला ट्रैक 'डूबे' भी रिलीज हो चुका है।